

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/विकास/2023/222

रीवा दिनांक : 20-4-2023

प्रति,

अध्यक्ष/प्राचार्य
ईश्वर चन्द्र विद्या सागर महाविद्यालय
जवा, जिला रीवा (म.प्र.)

विषय - अस्थायी सम्बद्धता नवीनीकरण सत्र 2022-2023 विषयक।

विद्या परिषद की स्थाई समिति की बैठक दिनांक 28-03-2023 के आइटम क्रमांक 3(05) की अनुशंसा एवं माननीय कुलपति जी द्वारा अधिनियम की धारा 15(4) के अन्तर्गत किये गये अनुमोदन तथा परिनियम 27 के अनुसार, आपके महाविद्यालय को सत्र 2022-2023 कक्षा/विषयों में अस्थायी सम्बद्धता का नवीनीकरण किया जाता है -

क्र.	कक्षा/विषय
1	बी.ए. भाग 1,2,3 - आधार पाठ्यक्रम, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजनीति, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र-प्रत्येक विषय समूह में 120-120सीट कुल 960सीट।
2	बी.एससी. भाग 1,2,3 - आधार पाठ्यक्रम, भौतिकी, रसायन, वनस्पति, प्राणिविज्ञान, भूगर्भशास्त्र एवं गणित-120-120 प्रत्येक विषय समूह में 600सीट।
3	एम.एससी. पूर्वाह्न/उत्तराह्न - रसायनशास्त्र, प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकशास्त्र, भूगर्भशास्त्र एवं गणित-40-40सीट।
4	एम.ए. पूर्वाह्न/उत्तराह्न - अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी-40-40सीट।
5	बी.सी.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष-80-80सीट।
6	बी.एड. पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)-100सीट।

नोट -

- कालेज कोड 28 के अन्तर्गत शिक्षक-छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति करें।
- पुस्तकालय को व्यवस्थित करें, अनुपयोगी पुस्तकों का अपलेखन करें एवं समस्त प्रकाशन की पुस्तकों का संधारण करें।
- प्रयोगशालाओं को व्यवस्थित करें तथा उनमें पाठ्यक्रमों की आवश्यकतानुसार उपकरण, नमूने तथा अन्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

उपर्युक्त शर्तों की पूर्ति कर पालन प्रतिवेदन 03 माह के अन्दर आवश्यक रूप से पूर्ण कर 100=00 रुपये के स्टाम्प पर शपथपत्र दिया जाय कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य है, अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजने का कष्ट करें अन्यथा आगामी सत्र 2023-2024 से छात्रों का प्रवेश बन्द करते हुए महाविद्यालय की सम्बद्धता समाप्त किये जाने की सूचना शासन को भेजी जावेगी।

आदेशानुसार,

कुलसचिव

प्रतिलिपि सूचनार्थ-

- परीक्षा नियंत्रक, अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा।
- सहायक कुलसचिव-परीक्षा, गोपनीय।
- विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन, अ.प्र. सिंह विश्वविद्यालय, रीवा की ओर वेबसाइट में प्रदर्शन हेतु प्रेषित।